يَـٰٓأَيُّهَا ٱلنَّاسُ ٱعۡبُدُواْ رَبَّكُمُ ٱلَّذِى خَلَقَكُمۡ وَٱلَّذِينَ مِن
قَبۡلِكُمۡ لَعَلَّكُمۡ تَتَّقُونَ ﴿٢١﴾ ٱلَّذِى جَعَلَ لَكُمُ ٱلۡأَرۡضَ
فِرَٰشًا وَٱلسَّمَآءَ بِنَآءً وَأَنزَلَ مِنَ ٱلسَّمَآءِ مَآءً فَأَخۡرَجَ بِهِۦ مِنَ
ٱلثَّمَرَٰتِ رِزۡقًا لَّكُمۡۖ فَلَا تَجۡعَلُواْ لِلَّهِ أَندَادًا وَأَنتُمۡ
تَعۡلَمُونَ ﴿٢٢﴾ وَإِن كُنتُمۡ فِى رَيۡبٍ مِّمَّا نَزَّلۡنَا عَلَىٰ عَبۡدِنَا فَأۡتُواْ
بِسُورَةٍ مِّن مِّثۡلِهِۦ وَٱدۡعُواْ شُهَدَآءَكُم مِّن دُونِ ٱللَّهِ إِن
كُنتُمۡ صَٰدِقِينَ ﴿٢٣﴾ فَإِن لَّمۡ تَفۡعَلُواْ وَلَن تَفۡعَلُواْ فَٱتَّقُواْ ٱلنَّارَ
ٱلَّتِى وَقُودُهَا ٱلنَّاسُ وَٱلۡحِجَارَةُۖ أُعِدَّتۡ لِلۡكَٰفِرِينَ ﴿٢٤﴾ وَبَشِّرِ
ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ وَعَمِلُواْ ٱلصَّٰلِحَٰتِ أَنَّ لَهُمۡ جَنَّٰتٍ تَجۡرِى مِن
تَحۡتِهَا ٱلۡأَنۡهَٰرُۖ كُلَّمَا رُزِقُواْ مِنۡهَا مِن ثَمَرَةٍ رِّزۡقًا قَالُواْ هَٰذَا
ٱلَّذِى رُزِقۡنَا مِن قَبۡلُۖ وَأُتُواْ بِهِۦ مُتَشَٰبِهًاۖ وَلَهُمۡ فِيهَآ أَزۡوَٰجٌ
مُّطَهَّرَةٌۖ وَهُمۡ فِيهَا خَٰلِدُونَ ﴿٢٥﴾ * إِنَّ ٱللَّهَ لَا يَسۡتَحۡىِۦٓ أَن
يَضۡرِبَ مَثَلًا مَّا بَعُوضَةً فَمَا فَوۡقَهَاۚ فَأَمَّا ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ
فَيَعۡلَمُونَ أَنَّهُ ٱلۡحَقُّ مِن رَّبِّهِمۡۖ وَأَمَّا ٱلَّذِينَ كَفَرُواْ فَيَقُولُونَ
مَاذَآ أَرَادَ ٱللَّهُ بِهَٰذَا مَثَلًاۘ يُضِلُّ بِهِۦ كَثِيرًا وَيَهۡدِى بِهِۦ
كَثِيرًاۚ وَمَا يُضِلُّ بِهِۦٓ إِلَّا ٱلۡفَٰسِقِينَ ﴿٢٦﴾ ٱلَّذِينَ يَنقُضُونَ عَهۡدَ
ٱللَّهِ مِنۢ بَعۡدِ مِيثَٰقِهِۦ وَيَقۡطَعُونَ مَآ أَمَرَ ٱللَّهُ بِهِۦٓ أَن يُوصَلَ
وَيُفۡسِدُونَ فِى ٱلۡأَرۡضِۚ أُوْلَٰٓئِكَ هُمُ ٱلۡخَٰسِرُونَ ﴿٢٧﴾ كَيۡفَ
تَكۡفُرُونَ بِٱللَّهِ وَكُنتُمۡ أَمۡوَٰتًا فَأَحۡيَٰكُمۡۖ ثُمَّ يُمِيتُكُمۡ ثُمَّ

يُحۡيِيكُمۡ ثُمَّ إِلَيۡهِ تُرۡجَعُونَ ٢٨ هُوَ ٱلَّذِي خَلَقَ لَكُم مَّا فِي ٱلۡأَرۡضِ جَمِيعًا ثُمَّ ٱسۡتَوَىٰٓ إِلَى ٱلسَّمَآءِ فَسَوَّىٰهُنَّ سَبۡعَ سَمَٰوَٰتٖۚ وَهُوَ بِكُلِّ شَيۡءٍ عَلِيمٞ ٢٩

Theme	
Allah's demand to worship Him Alone. The claim of The Qur'an to be the Book of Allah. Reward for the believer. Parable of gnat, may confound many and enlighten many. How can you deny Allah?	अल्लाह की यह मांग कि केवल उसी की इबादत की जाए। क़ुरआन का यह दावा कि वह अल्लाह की किताब है। ईमान वालों के लिए बदला (अज्र)। मच्छर की मिसाल—जो बहुतों को भटका देती है और बहुतों को राह दिखाती है। तुम अल्लाह का इनकार कैसे कर सकते हो?
Tarjumani	
O mankind! Worship your Rabb Who created you and created those who came before you, by doing this you may become pious. It is He Who has made the earth a resting place for you and the sky a canopy, and it is He Who sends down rain from the sky for the growth of fruits for your sustenance. Therefore, do not knowingly set up rivals to Allah. If you are in doubt	लोगो, बन्दगी इख्तियार करो अपने उस रब की जो तुम्हारा और तुमसे पहले जो लोग हो गुज़रे हैं उन सबका ख़ालिक है, तुम्हारे बचने की तवक्को इसी सूरत से हो सकती है	वही तो है जिसने तुम्हारे लिए ज़मीन का फ़र्श बिछाया, आसमान की छत बनाई, ऊपर से पानी बरसाया और उसके ज़रीए से हर तरह की पैदावार निकालकर तुम्हारे लिए रिज्क बहम पहुँचाया	पस जब तुम यह जानते हो तो दूसरों को अल्लाह का मद्दे-

concerning that which We have sent to Our servant (Muhammad), then produce one Surah like this; and call your witnesses (gods that you call upon) besides Allah to assist you, if you are right in your claim But if you are unable to do so, and you can never do so, then fear the Hell fire, whose fuel is men and stones which is prepared for the unbelievers. Give glad tidings to those who believe and do good deeds, for them there will be Gardens beneath which rivers flow. Whenever they will be given fruits to eat they will say: "This is similar to the one we used to eat before," for they will be provided fruits which will resemble the fruits on the earth, and for them there will be chaste virgin spouses, and they shall live therein for ever. Allah does not hesitate to use the similitude of a gnat or an even more insignificant creature. Those who believe, know that it is the truth from	मुकाबिल न ठाहराओ	और अगर तुम्हें इस अम्र में शक है कि यह किताब जो हमने अपने बन्दे पर उतारी है, यह हमारी है या नहीं, तो इसके मानिन्द एक ही सूरा बना लाओ, अपने सारे हमनवाओं को बुला लो, एक अल्लाह को छोड़कर बाकी जिस-जिसकी चाहो, मदद ले लो, अगर तुम सच्चे हो तो यह काम करके दिखाओ	लेकिन अगर तुमने ऐसा न किया, और यकीनन कभी नहीं कर सकते, तो डरो उस आग से, जिसका ईंधन बनेंगे इनसान और पत्थर, जो मुहैया की गई है मुनकिरीने-हक़ के लिए	और ऐ पैग़म्बर, जो लोग इस किताब पर ईमान ले आएँ और (इसके मुताबिक़) अपने अमल दुरुस्त कर लें, उन्हें ख़ुशख़बरी दे दो कि उनके लिए ऐसे बाग़ हैं जिनके नीचे नहरें बहती होंगी	उन बाग़ों के फल सूरत में दुनिया के फलों से मिलते-जुलते होंगे	जब कोई फल उन्हें खाने को दिया जाएगा तो वे कहेंगे कि ऐसे ही फल इससे पहले दुनिया में हमको दिए जाते थे	उनके लिए वहाँ पाकीज़ा बीबियाँ होंगी, और वे वहाँ हमेशा रहेंगे	हाँ, अल्लाह इससे हरगिज़ नहीं शर्माता कि मच्छर या उससे भी हकीरतर किसी चीज़

their Rabb; as for the unbelievers, they will say: "What does Allah mean by such a similitude?" By such a similitude, Allah con-founds many and enlightens many. He con-founds none except the transgressors: those who break Allah's Covenant after affirming it, and who cut aside what Allah has ordered to be united and cause mischief on earth. It is they, who are the losers. How can you deny Allah? You were lifeless and He gave you life. He will cause you to die, then again will bring you to life; and then you will ultimately return to Him? It is He, Who has created for you all that there is in the earth; and directed Himself towards the sky and fashioned it into seven heavens. He has perfect knowledge of everything.	की तमसीलें दे	जो लोग हक़ बात को कबूल करनेवाले हैं, वे इन्हीं तमसीलों को देखकर जान लेते हैं कि यह हक़ है जो उनके रब ही की तरफ़ से आया है, और जो माननेवाले नहीं हैं, वे इन्हें सुनकर कहने लगते हैं कि ऐसी तमसीलों से अल्लाह को क्या सरोकार? इस तरह अल्लाह एक ही बात से बहुतों को गुमराही में मुब्तला कर देता है और बहुतों को राहे-रास्त दिखा देता देता है	और उससे गुमराही में वह उन्हीं को मुब्तला करता है जो फ़ासिक हैं, अल्लाह के अहद को मज़बूत बाँध लेने के बाद तोड़ देते हैं, अल्लाह ने जिसे जोड़ने का हुक्म दिया है उसे काटते है, और ज़मीन में फ़साद बरपा करते हैं	हक़ीकत में यही लोग नुकसान उठानेवाले हैं	तुम अल्लाह के साथ कुफ़्र का रवैया कैसे इखतियार करते हो, हालाँकि तुम बेजान थे, उसने तुमको ज़िन्दगी अता की, फिर वही तुम्हारी जान सल्ब करेगा, फिर वही तुम्हें दोबारा ज़िन्दगी अता करेगा, फिर उसी की तरफ़ तुम्हें पलटकर जाना है	वही तो है जिसने तुम्हारे लिये ज़मीन की सारी चीज़ें पैदा कीं, फिर ऊपर की तरफ़ तवज्जुह फरमाई और सात आसमान उस्तवार

	किए	और वह हर चीज़ का इल्म रखनेवाला है	
Tafsir	